साँवले सपनों की याद भाग - 2

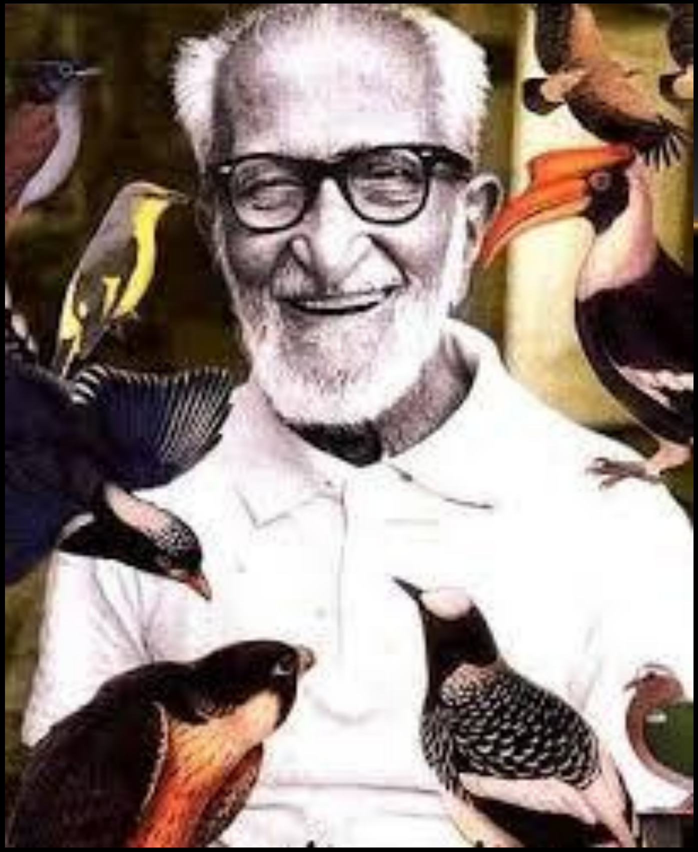

लेखक – जाबिर हुसैन

मुरारी लाल शर्मा

द्वितीय अन्विति

एहसास की ऐसी ही ऊबड़-खाबड़ ज़मीन(पृष्ठ 43) -- पक्षियों की वकालत करेगा। (पृष्ठ 45)

शब्द	अर्थ
एहसास	अनुभूति
मिथक	प्राचीन पुरा कथाओं का तत्व जो नई स्थितियों में नए अर्थ को वहन करे
रासलीला	आनंद क्रीड़ा
शोख	तेज़-तर्रार
अंदाज़	तरीका
वाटिका	बाग, बगीचा
हिदायत	निर्देश

शती	सौ वर्ष का समय
हिफ़ाज़त	सुरक्षा
कायल	प्रशंसक , मुग्ध
पसरी	फैली
सहपाठी	साथ पढ़ने वाला
अनुरोध	प्रार्थना
सोंधी	मिट्टी पर पानी
पड़ने	
	से उठी गंध

1. सालिम अली के लिए मिथक शब्द का प्रयोग और श्रीकृष्ण के उदाहरण द्‌वारा स्पष्टीकरण-

मिथक का अर्थ है- प्राचीन पुराकथाओं का तत्व जो नवीन स्थितियों में नए अर्थ को वहन करे।

जैसे श्रीकृष्ण द्‌वारा हजारों वर्ष पहले रासलीला करना, गोपियों के साथ मस्ती करना, दही-माखन खाना, बर्तन फोड़ना, बंसी बजाना आदि घटनाक्रमों का वर्णन होता रहता है। ऐसे ही भविष्य में लोग पक्षियों से प्रेन करने वाले पक्षी विज्ञानी सालिम अली की चर्चा किय़ा करेंगे।

2. सालिम अली – सालिम अली दुबले-पतले शरीर के कमज़ोर व्यक्ति थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन पक्षियों की देखरेख, सुरक्षा में लगा दिया था। वे गले में दूरबीन लटकाए वनों में घूमते रहते थे और पक्षियों पर शोध करते रहते थे। उन जैसा बर्ड वाचर शायद ही कोई हुआ हो। सौ वर्ष के करीब उम्र होने वाली थी कि कैंसर हो जाने से उनकी मृत्यु हो गई। सालिम अली की पत्नी तहमीना ने हमेशा उनका साथ दिया था।

3. प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से भेंट – चौधरी चरण सिंह तब प्रधानमंत्री थे। सालिम अली केरल की साइलेंट वैली को रेगिस्तानी हवा के झोकों से बचाने की योजना लेकर उनसे मिले थे।

पर्यावरण के संभावित खतरों के बारे में बताया था।

प्रश्न1. सालिम अली का प्रकृति के प्रति कैसा दृष्टिकोण था?

उत्तर- सालिम अली प्रकृति के प्रभाव में आने के बजाय प्रकृति को अपने प्रभाव से प्रभावित करने वाले लोगों में से थे।

प्रश्न2. चौधरी साहब कौन थे? सालिम अली उनसे क्यों मिले?

उत्तर- चौधरी चरण सिंह तब भारत के प्रधानमंत्री थे। सालिम अली केरल की साइलेंट वैली को रेगिस्तानी हवा के झोकों से बचाने की योजना लेकर उनसे मिले थे।

धन्यवाद